# वानिकी समाचार

वर्ष. 16 सं. 01 जनवरी 2024

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद


## अनुक्रमणिका पृ.सं.


| अनुक्रमणिका | पृ.सं. |
|---|---|
| प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन | 01 |
| 75वां गणतंत्र दिवस | 01 |
| मिशन लाइफ (LiFE) के अंतर्गत की गई गतिविधियां | 02 |
| महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष | 03 |
| परामर्शी कार्य | 03 |
| प्रदर्शनी में भागीदारी | 03 |
| वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधियां | 04 |
| कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें | 05 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रम | 06 |
| समझौता ज्ञापन | 09 |
| प्रकृति कार्यक्रम | 10 |
| जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम | 12 |
| राजभाषा गतिविधियां | 13 |
| विविध | 13 |
| मानव संसाधन समाचार | 14 |


## प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन

दिनांक 26 जनवरी 2024 को 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. द्वारा प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन किया गया।

## 75वां गणतंत्र दिवस

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून, इसके संस्थानों और केंद्रों द्वारा 26 जनवरी 2024 को 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–बां.बें.के

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.

# मिशन लाइफ (LiFE) के अंतर्गत की गई गतिविधियां

## भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प. द्वारा 27 जनवरी 2024 को मिशन लाइफ के बारे में कर्मचारियों,वैज्ञानिकों और आगंतुकों को जागरूक करने के लिए भा.वा.अ.शि.प.मुख्यालय,देहरादून, वैज्ञानिक छात्रावास और अधिकारी विश्राम गृह में सेल्फी पॉइंट स्थापित किए गए।

भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय, देहरादून मेंस्थापित सेल्फी पॉइंट

## भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- केंद्रीय विद्यालय, हमीरपुर में मिशन लाइफ पर जागरूकता कार्यक्रम दिनांक 4 जनवरी 2024 को केंद्रीय विद्यालय, हमीरपुर के छात्रों के लिए एकल उपयोग प्लास्टिक को कम करने की थीम के तहत मिशन लाइफ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

केंद्रीय विद्यालय, हमीरपुर में मिशन लाइफ पर जागरूकता कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा मिशन लाइफ पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया व.व.अ.सं. परिसर, जोरहाट में दिनांक 9 जनवरी 2024 को परियोजना अध्येता, उनके पति/पत्नी और बच्चों सहित 40 प्रतिभागियों के लिए मिशन लाइफ पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा मिशन लाइफ पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

## भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा राजकीय उच्च विद्यालय, सालीवाड़ा, जबलपुर के 20 छात्रों के लिए औषधीय पौधों के संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा औषधीय पौधों के संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

# महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

## भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- चकराता, देहरादून, सहारनपुर वन प्रभाग उत्तर प्रदेश के कांजीलाल वन वनस्पति प्रजातियों में 50 और कुमाऊं के ओस्मास्टन वन वनस्पति प्रजातियों में 60 प्रजातियों की पहचान की गई और नामावली को अद्यतन किया गया।

- व.अ.सं. बांस वाटिका और वनस्पति उद्यान से ओकलैंड्रा ट्रैवनकोरिका के आकारकीय चरित्रों को एकत्र और विश्लेषण किया गया। बैंबूसा वल्गेरिस किस्म स्ट्रिएटा, बैम्बुसा वल्गेरिस किस्म वामिन, डेंड्रोकैलामस लॉन्गिस्पैथस, डेंड्रोकैलामस मेम्ब्रेनसियस के लिए चार प्राइमरों NdhF1R1, NdhF2R2, atp F-H, PsbK-I के साथ डीएनए बारकोडिंग की गई।

- बारकोडिंग चिह्नक टीआरएनएल सी–एफ के साथ *एंजेलिका ग्लाउका* और *जेंटियाना कुरु* के डीएनए नमूनों का सफल अनुप्रयोग किया गया। विभिन्न तापमानों पर ए. ग्लाउका, *जी. कुरु* और *मैलाक्सिस एक्यूमिनाटा* के साथ बार–कोडिंग चिह्नक मैट K का अनुकूलन किया गया।

## भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- मैक्सएंट मॉडल के माध्यम से पश्चिम बंगाल राज्य के लिए 8 प्रजातियों जैसे *टर्मिनेलिया एलाटा, टेरोकार्पस मार्सुपियम, एनोगेइसस लैटिफोलिया, डायोस्पायरोस मेलानोक्सिलोन, बुखनानिया कोचिनचाइनेंसिस, शोरिया रोबस्टा, लेजरस्ट्रोमिया पर्विफ्लोरा* और *मधुका लैटिफोलिया* का पारि वितरण मानचित्रण पूरा कर लिया गया है।

## भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनंसुधान संस्थान, जोरहाट

- दिहिंग पटकाई राष्ट्रीय उद्यान में 129 प्रजातियों (*लेपिडोप्टेरा*–124, *हाइमनोप्टेरा*–3 और *डिप्टेरा*–2) से संबंधित कुल 1775 परागणक पाए गए।

## भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनंसुधान संस्थान, जबलपुर

- क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान, 35: से 45: तक की औसत बीमारी देखी गई। प्रमुख बीमारियों की पहचान की गई जिनमें *मधुका लोंजिफोलिया* को प्रभावित करने वालापिंक लीफ स्पॉट, फाइकस प्रजाति को प्रभावित करने वाला *अल्टरनेरिया* लीफ स्पॉट, *डैलबर्जिया लोंजिफोलिया* और *डी. सिस्सू* को प्रभावित करने वाला लीफ ब्लाइट रोग, नीम को प्रभावित करने वाला लीफ स्पॉट और डाईबैक, बांस की प्रजाति को प्रभावित करने वाला *बाइपोलरिस* लीफ स्पॉट, *फाइलैंथस एम्ब्लिका* को प्रभावित करने वाला जंग, *टर्मिनेलिया* प्रजाति को प्रभावित करने वाला *एन्थ्रेक्नोज ब्लाइट*, और सागौन को प्रभावित करने वाला स्टेम ब्लाइट और जंग शामिल हैं।

- उ.व.अ.सं., जबलपुर में यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन में सागौन के ऊतक संवर्धन से तैयार कृंतकों का रोपण किया गया। कृंतकीय परीक्षण में 12 कृंतकों के कुल 240 पौधे शामिल थे। इनको 3 मीमी की दूरी पर रोपित किया गया।

- सनमापुर गांव में स्थापित यूकेलिप्टस परीक्षण की उत्तरजीविता 96% पाई गई, जबकि बारगी दत्तक परीक्षण की उत्तरजीविता 26% पाई गई।

- उ.व.अ.सं. परिसर में एआईसीआरपी–01 के अंतर्गत स्थापित कैसुरीना कृंतकीय परीक्षण में 85% उत्तरजीविता दर्ज की गई।

## भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- अन्नामलाई पहाड़ियों, पश्चिमी घाट और, मदिकेरी क्षेत्र, कर्नाटक में डायोस्पायरोस एबेनम के लिए आबादी का सर्वेक्षण किया गया। कुल 150 सीपीटी की पहचान की गई और जीपीएस रीडिंग के साथ–साथ जीबीएच और ऊंचाई के लिए अलग–अलग वृक्षों को चिह्नित किया गया। वन्य पादपों को एकत्र किया गया, विकास अनुश्रवण के लिए पौधशाला में रखा गया।

# परामर्शी कार्य

## भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

- बीसीसीएल के क्लस्टर–IV कोयला खदान कोलफील्ड्स धनबाद की अंतिम तृतीय पक्ष पर्यावरण अनुपालन ऑडिट रिपोर्ट कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), कोलकाता को सौंपी गई।
- हिमाचल प्रदेश में सतलज नदी के सीईआईए की अंतिम रिपोर्ट सदस्य सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली को सौंपी गई।

# प्रदर्शनी में भागीदारी

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने दिनांक 7 जनवरी 2024 को कालियापानी, टेओक, जोरहाट में कृषि विज्ञान केंद्र, जोरहाट और असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट द्वारा आयोजित किशोक मेले में भाग लियाऔर प्रदर्शन स्टॉल लगाया और संस्थान की विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा किशोक मेले में एक स्टॉल लगाया गया

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने 20 जनवरी 2024 को असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट द्वारा आयोजित किसान मेले में भाग लिया तथा प्रदर्शन स्टाल लगाया और संस्थानों की विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

**भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा किसान मेले में एक स्टॉल लगाया गया**

- भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 24 जनवरी 2024 को रामलीला मैदान, रावण का चबूतरा, जोधपुर में आयोजित पश्चिमी राजस्थान हस्तशिल्प मेले में प्रदर्शन स्टॉल लगाया। प्रतिभागियों को गैर–काष्ठ वन उत्पादों, शुष्क और अर्ध शुष्क पौधों की प्रजातियों के बीज और औषधीय पौधों के नवोद्‌भिदों के बारे में जानकारी दी गई।

**भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा राजस्थान हस्तशिल्प मेले में स्टॉल लगाया गया**

# वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधियां

## भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत सतत प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा 23 जनवरी 2024 को वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत कोरापुट, ओडिशा में "एआईसीआरपी–29 के अंतर्गत संरक्षण और मूल्यवर्धन के माध्यम से गैर प्रकाष्ठ वनोत्पादों का सतत प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम में 55 वन अधिकारियों ने भाग लिया।

**भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत सतत प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया**

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा दिनांक 31 जनवरी 2024 को "कैसुरीना के उच्च उपज वाले अंतरविशिष्ट संकर कृंतक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें तेलंगाना राज्य वन अकादमी के 16 वन अधिकारियों ने भाग लिया।

**भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा "कैसुरीना के उच्च उपज वाले अंतरविशिष्ट संकर कृंतक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया**

### भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं. द्वारा वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत "वानिकी की उन्नत तकनीक" पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं. द्वारा 17 जनवरी 2024 को वन विज्ञान केंद्र, मध्य प्रदेश के अंतर्गत पायली सिवनी वानिकी प्रभाग में "वानिकी की उन्नत तकनीक" पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। वन अधिकारियों को "मृदा परीक्षण और विश्लेषण" पर एक व्याख्यान भी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं. द्वारा वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत "वानिकी की उन्नत तकनीक" पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

## कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें

| | | | |
|---|---|---|---|
| **भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून** | | | |
| 1. | परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) बैठक | 12 जनवरी 2024 | सहायक महानिदेशक (मी.व वि.), भा.वा.अ.शि.प., बाहरी विशेषज्ञ, हि.व.अ.सं., शिमला के निदेशक और वैज्ञानिक |
| **भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,शिमला** | | | |
| 2. | अनुसंधान परियोजना की मूल्यांकन बैठक | 18 जनवरी 2024 | राज्य (हिमाचल प्रदेश) के विभिन्न संगठनों के 35 शोधकर्ता |
| 3. | भारत के शिवालिक, पश्चिमी घाट और उष्णकटिबंधीय वर्षा वन में वनपाल का अनुभव | 30 जनवरी 2024 | 52 वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी, अनुसंधान कर्मचारी |
| **भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू** | | | |
| 4. | काष्ठ उद्योग संस्थान की बैठक | 8 जनवरी 2024 | 200 काष्ठ उद्योग के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया |
| 5. | चंदनकाष्ठ आधारित कृषि वानिकी मॉडल और उसका स्वास्थ्य | 23 जनवरी 2024 | 150 किसानों ने भाग लिया |

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने काष्ठ उद्योग संस्थान की बैठक का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने चंदनकाष्ठ आधारित कृषि वानिकी मॉडल और उसके स्वास्थ्य का आयोजन किया

## भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | कृषि साधन उत्पाद की खरीद और बिक्री दरों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक | 4 जनवरी 2024 | सिधकोफेड एवं भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची के अधिकारी एवं पदाधिकारी |

## भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | कृषि एवं संबद्ध विज्ञान | 23 से 25 जनवरी 2024 | भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वैज्ञानिक |
| 8. | शुष्क क्षेत्र के उभरते नाशीकीट और आकारिकीय से आणविक वर्गीकी स्तर तक उनकी पहचान | 24 जनवरी 2024 | वन सुरक्षा प्रभाग के वैज्ञानिक |

# प्रशिक्षण कार्यक्रम

## भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | सुदूर संवेदी डेटा और जीआईएस साधनों सहित भूमि अवक्रमण गतिशीलता और पुनर्स्थापन प्रयासों का आकलन | 15 से 17 जनवरी 2024 | 16 देशों से 18 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय द्वारा सुदूर संवेदी डेटा और जीआईएस साधनों के साथ भूमि अवक्रमण गतिशीलता और पुनर्स्थापन प्रयासों का आकलन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. | वानिकी अनुप्रयोगों के लिए उन्नत सुदूर संवेदी तकनीकें | 29 से 30 जनवरी 2024 | भा.व.से., वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों सहित 30 प्रतिभागी |
| 3. | ऑनलाइन आरंभिक बैठक (आईटीटीओ–बीएमईएल सागौन परियोजना चरण II) | 25 जनवरी 2024 | वन अधिकारी, वैज्ञानिक और अन्य शोधकर्ता |

## भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. | वन संवर्धन एवं वानिकी | 15 से 20 जनवरी 2024 | प्रादेशिक सेना की 04 पारिस्थितिक बटालियनों से 42 प्रतिभागी यथा 127 इन्फेंट्री बटालियन इकोलॉजिकल, गढ़वाल राइफल्स (देहरादून), 130 ईटीएफ कुमाऊं (पिथौरागढ़), 132 ईटीएफ बटालियन (दिल्ली) और 137 सीईटीएफ बटालियन (प्रयागराज) |

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा वन संवर्धन एवं वानिकी पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

## भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | आजीविका सृजन के लिए मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण | 4 से 6 जनवरी 2024 | 3 वन रेंज झुंगी, कांगू और जयदेवी से 34 प्रतिभागी |
| 6. | वानिकी प्रजातियों की गुणवक रोपण सामग्री उगाने के लिए मॉडल नर्सरी का विकास | 16 जनवरी 2024 | बिलासपुर वन मंडल से वन रक्षकों, ब्लॉक अधिकारी और रेंज अधिकारियों सहित 40 अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी |

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा आजीविका सृजन के लिए मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा वानिकी प्रजातियों की गुणवक रोपण सामग्री उगाने के लिए मॉडल नर्सरी का विकास पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | सतत विकास के लिए वन प्रौद्योगिकी | 22 जनवरी 2024 | जम्मू क्षेत्र के किसानों, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडल के सदस्यों और सांबा के युवा क्लब सहित 40 प्रतिभागी |
| 8. | कृषि वानिकीः उत्पादकता वृद्धि एवं अतिरिक्त आय के स्रोत हेतु एक विकल्प | 24 जनवरी 2024 | एचपीएसएफडी धरमपुर, मंडी हिमाचल प्रदेश के 40 किसान और अग्रिम पंक्ति के क्षेत्र कर्मचारी |

### भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9. | लाख और बांस के साथ वन सीमान्त गांवों में आजीविका बढ़ाने की कार्यनीतियाँ | 16 से 18 जनवरी 2024 | सिमडेगा, ओरमांझी और खूंटी के 30 किसान |
| 10. | उत्तर बंगाल में औषधीय और सुगंधित पौधों के संरक्षण, खेती और कटाई में प्रगतिशील किसानों की भूमिका | 15 से 16 जनवरी 2024 | पश्चिम बंगाल से 42 किसान |

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची द्वारा वन सीमान्त गांवों में लाख और बांस के साथ आजीविका बढ़ाने पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची द्वारा औषधीय और सुगंधित पौधों के संरक्षण, खेती और कटाई में प्रगतिशील किसानों की भूमिका पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया

### भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

| | | | |
|---|---|---|---|
| 11. | प्रकाष्ठ की पहचान के लिए क्षेत्र तकनीकें | 8 से 12 जनवरी 2024 | 9 कला संरक्षक, पुनर्स्थापक, सरकारी अधिकारी, वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी और उद्योगपति |

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा प्रकाष्ठ की पहचान के लिए क्षेत्र तकनीकों पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया

### भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12. | बांस प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, खेती और मूल्यवर्धन | 22 से 27 जनवरी 2024 | भारत के विभिन्न राज्यों से 19 प्रशिक्षु |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 13. | अगर काष्ठ की खेती और कृत्रिम संरोपण | 30 जनवरी 2024 | असम, बिहार, सिक्किम और त्रिपुरा से 7 प्रशिक्षु |
| 14. | लोगों के सतत विकास के लिए वानिकी की भूमिका | 3 से 5 जनवरी 2024 | 9 अलग–अलग राज्यों से 13 भा.व.से. अधिकारी |

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा अगरकाष्ठ की खेती और कृत्रिम संरोपण पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा लोगों के सतत विकास के लिए वानिकी की भूमिका पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

## भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 15. | बीज प्रौद्योगिकी एवं कृंतकीय प्रवर्धन | 8 से 9 जनवरी 2024 | केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा (कैसफोस), कोयंबटूर से 42 राज्य वन सेवा अधिकारी प्रशिक्षु |

## भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 16. | संस्थान–उद्योग विचार–विमर्श बैठक | 2 जनवरी 2024 | संस्थान के वैज्ञानिक एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी |

# समझौता ज्ञापन

- बंजारी, सिवनी (मध्यप्रदेश) में प्रदर्शन गांव के माध्यम से वानिकी तकनीकों के प्रसार के लिए भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर और मध्यप्रदेश राज्य वन विभाग के बीच 17 जनवरी 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. और टीएनएयू, कोयंबटूर के बिच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए वन विज्ञान केंद्र और कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत भा.व.अ.शि.प.– वन आनुवंशिकी एवं शिक्षा निदेशालय, टीएनयू, कोयंबटूर के मध्य 11 जनवरी 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किय गए।

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं. और मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. और टीएनएयू, कोयंबटूर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. और टीएनएयू, कोयंबटूर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए वन विज्ञान केंद्र और कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर और विस्तार एवं शिक्षा निदेशालय, टीएनएयू, कोयंबटूर के बीच 11 जनवरी 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए पर्यावरण कानून, वानिकी और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और क्षमता निर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के बीच 8 जनवरी 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं. और श्री विजय कृष्ण राठी, लोहावट के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

# प्रकृति कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- केंद्रीय विद्यालय, व.अ.सं., देहरादून के 25 छात्रों के एक समूह ने 16 और 17 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा बीज और पौधशाला प्रौद्योगिकी पर आयोजित प्रदर्शन कार्यक्रम में भाग लिया। उन्हें पौधशाला क्यारी बनाने, पॉटिंग मिश्रण तैयार करने, पॉली बैग भरने और पौधशाला क्यारी और पॉली बैग में बीज बोने की अनुमति दी गई।

## भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- केंद्रीय विद्यालय, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के 60 छात्रों के एक समूह ने 4 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा आयोजित प्रकृति कार्यक्रम में भाग लिया। उन्हें संस्थानों की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई और वानिकी प्रजातियों के वानस्पतिक प्रवर्धन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

## भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- केंद्रीय विद्यालय संगठन, बोवेनपल्ली, हैदराबाद, तेलंगाना, केंद्रीय विद्यालय संगठन, कोरापुट, ओडिशा और जवाहर नवोदय विद्यालय, कोरापुट, ओडिशा के 268 छात्रों के समूह ने अपने शिक्षकों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा दिनांक 11 और 24 जनवरी 2024 को आयोजित प्रकृति कार्यक्रम में भाग लिया।

केंद्रीय विद्यालय, बोवेनपल्ली, तेलंगाना, जवाहर नवोदय विद्यालय, कोरापुट, ओडिशा और केंद्रीय विद्यालय कोरापुट, ओडिशा के छात्रों ने प्रकृति कार्यक्रम में भाग लिया

## भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेनजेरीमलाइदिपालयम, कोयंबटूर; जीआरडी मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, कोयंबटूर; राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सरवनमपट्टी कोयंबटूर; साउंडरम मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, कोयंबटूर; डॉन बॉस्को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, वेल्लाकिनार, कोयंबटूर और विबग्योर हाई स्कूल, कोयंबटूर के 598 छात्रों के समूह ने 3, 5, 9, 24 और 31 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर द्वारा आयोजित छात्र संपर्क कार्यक्रम में

भाग लिया। वृक्षों के लिए बीज, बीजों का महत्व, अपशिष्ट प्रबंधन, बीज बॉल और प्रौद्योगिकी, बीजों का संरक्षण और फाइकस रेसमोसा के संरक्षण पर छात्रों को व्याख्यान दिए गए।

विभिन्न स्कूल और कॉलेज के 598 छात्रों के समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सगड़ा–झपानी, जबलपुर के 300 छात्रों के समूह ने 12 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा आयोजित प्रकृति कार्यक्रम में भाग लिया। छात्रों को पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण के महत्व पर व्याख्यान दिए गए।

प्रकृति कार्यक्रम में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सगड़ा, झपानी, जबलपुर के छात्रों ने भाग लिया

## भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ साइंस; एचएसआर लेआउट, बेंगलुरु यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर, सोलन यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चरएंड फॉरेस्ट्री, थुनाग और रीजेंसी पब्लिक स्कूल विद्या रन्यापुरा के 20 संकाय सदस्यों के साथ 314 छात्रों के समूह ने दिनांक 2, 9, 10 और 16 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, जाइलरियम, काष्ठ कर्मशाला, काष्ठ संग्रहालय और उन्नत काष्ठकर्म केंद्र का दौरा किया।

- प्रेसीडेंसी स्कूल, नंदिनी लेआउट, बेंगलुरु के 4 संकाय सदस्यों के साथ 133 छात्रों ने 30 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, जाइलेरियम,काष्ठ कर्मशाला, काष्ठ संग्रहालय और उन्नत काष्ठ कर्म केंद्र का दौरा किया।

प्रेसीडेंसी स्कूल, नंदिनी लेआउट, बेंगलुरु के 133 छात्रों के समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. बेंगलुरु का दौरा किया

### भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- जवाहर नवोदय विद्यालय नंदला, नसीराबाद, अजमेर के 140 छात्रों के समूह ने 10 से 12 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा आयोजित प्रकृति कार्यक्रम में भाग लिया। छात्रों को पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण पर व्याख्यान दिया गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय, नसीराबाद, अजमेर के 140 छात्रों के समूह ने प्रकृति कार्यक्रम में भाग लिया

## जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

### भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- कृषि विज्ञान, मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना के 365 छात्रों के समूह ने दिनांक 3, 4, 5, 7, 8 और 9 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा आयोजित पर्यावरण अध्ययन और आपदा प्रबंधन कार्यक्रम में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद ने एक पर्यावरण अध्ययन और आपदा प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया

### भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर दिनांक 1 जनवरी 2024 को आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के 55 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- विभिन्न स्कूलों के 1052 छात्रों के समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं. जोरहाट का दौरा कियावेलबॉर्न पब्लिक स्कूल, असम के सोनारी चराइदेव जिला, गेलेकी जातीय विद्यालय, तिताबोर, जोरहाट,राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जोरहाट, चंद्र कमल बेजबरिया हाई स्कूल, तिताबोर, जोरहाट, पद्माराम सरमा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तिताबोर जोरहाट और रेलवे एलपी स्कूल मारियानी, जोरहाट से अपने शिक्षकों के साथ 1052 छात्रों के समूह ने दिनांक 2, 3, 11, 12, 24 और 25 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। उन्हें संस्थानों की गतिविधियों के अवलोकन, बांस की खेती, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्य संवर्धन और बांस संरक्षण तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और ऊतक संवर्धन, जंगली खाद्य मशरूम की पहचान, लाख की खेती, कृमिखाद और अगर रोपण के बारे में जानकारी दी गई।

विभिन्न स्कूलों के 1052 छात्रों के समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं. जोरहाट का दौरा किया

- गुजरात और महाराष्ट्र के 6 बांस किसानों और उद्यमियों ने दिनांक 30 और 31 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.– बांस एवं बेंत केंद्र का दौरा किया।

### भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- पीएम श्री के.वी. नरसिंहपुर, राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरेला, गवर्नमेंट साइंस कॉलेज, जबलपुर और ज्ञान गंगा कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 412 छात्रों के समूह ने दिनांक 5, 9, 16, 23, 25 और 31 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया। उन्हें विभिन्न पौधों और संस्थान के अनुसंधान कार्यों के बारे में जानकारी दी गई और प्रदर्शन किया गया।

### भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- आई जी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बिलाड़ा और सरस्वती विद्या मंदिर के 140 छात्रों के समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया। आई जी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बिलाड़ा, जोधपुर और सरस्वती विद्या मंदिर, सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिनियाद, शिव, बाडमेर राजस्थान के 8 संकाय सदस्यों के साथ 112 छात्रों के समूह ने दिनांक 4 और 18 जनवरी 2024

को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के व्याख्या केंद्र का दौरा किया। उन्हें संस्थानों की अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को शु.व.अ.सं. पर एक लघु वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

आई जी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बिलाड़ा और सरस्वती विद्या मंदिर के 140 छात्रों के समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

## राजभाषा गतिविधियां

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर ने दिनांक 22 जनवरी 2024 को कार्यालय में राजभाषा हिंदी के उपयोग में व्यावहारिक समस्याएं और समाधान का आयोजन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर ने एक विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया

- कैसफोस, कोयंबटूर के संकाय सदस्यों के साथ 51 प्रशिक्षु अधिकारियों के समूह ने दिनांक 22 जनवरी 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थानों की अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

कैसफोस, कोयंबटूर से 51 अधिकारी प्रशिक्षुओं के समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

## विविध

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने जनवरी 2024 के प्रत्येक सप्ताह में विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सफाई अभियान चलाया। संस्थान के कर्मचारियों ने इस अभियान में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.– हि.व.अ.सं., शिमला ने एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद ने दिनांक 24 जनवरी 2024 को जवाहर नवोदय विद्यालय, कोरापुट, ओडिशा में राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम मनाया।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर के वैज्ञानिक ने 17.01.2024 को एनबीए, चेन्नई में एक्सेस और बेनिफित शेयरिंग (एबीएस) पर पुनर्गठित विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक में भाग लिया।

# मानव संसाधन समाचार

## संप्रत्यावर्तन

| **अधिकारी का नाम** | **दिनांक** |
|---|---|
| श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की<br>भा.व.से., (मध्यप्रदेश:2010)<br>उप वन संरक्षक,<br>भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची | 31.01.2024 |

## नियमित नियुक्ति

| **अधिकारी का नाम** | **दिनांक** |
|---|---|
| डॉ. अभिषेक सिंह, वैज्ञानिक–बी<br>भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून | 03.01.2024 |

## सेवानिवृत्त

| **अधिकारी का नाम** | **दिनांक** |
|---|---|
| प्रशांत जैकब, वैज्ञानिक–जी,<br>भा.वा.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर | 31॰01॰2024 |

**संरक्षक:**
श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून
**संपादक मंडल:**
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

**हिन्दी संस्करण:**
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य
**सहायक:**
श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

**प्रत्याख्यान:**

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यत: प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।